पोम्पेई...

जिंदा दफन हुआ शहर!

एडिथ कुन्हार्ट

चित्र: माइकल ईगल

पोम्पेई...

जिंदा दफन हुआ शहर!

एडिथ कुन्हार्ट

चित्र: माइकल ईगल

1.

सोता हुआ दानव

एक बार पोम्पेई नाम का एक शहर था. नगर के निकट वेसुवियस नाम का एक पहाड़ था.

पोम्पेई के लोगों को पहाड़ के किनारे रहना पसंद था. वो अंगूर उगाने के लिए एक अच्छी जगह थी. भेड़ पालने के लिए भी वो एक अच्छी जगह थी. और वो स्थान बहुत शांतिपूर्ण भी था!

लेकिन वो पहाड़ सचमुच में एक खतरनाक ज्वालामुखी था. वो एक सोते हुए राक्षस की तरह था. यदि राक्षस जाग गया, तो वो शहर को नष्ट कर सकता था.

क्या लोगों को खतरे के बारे में पता था? नहीं लोगों को उस खतरे का बिल्कुल अंदाज नहीं था!
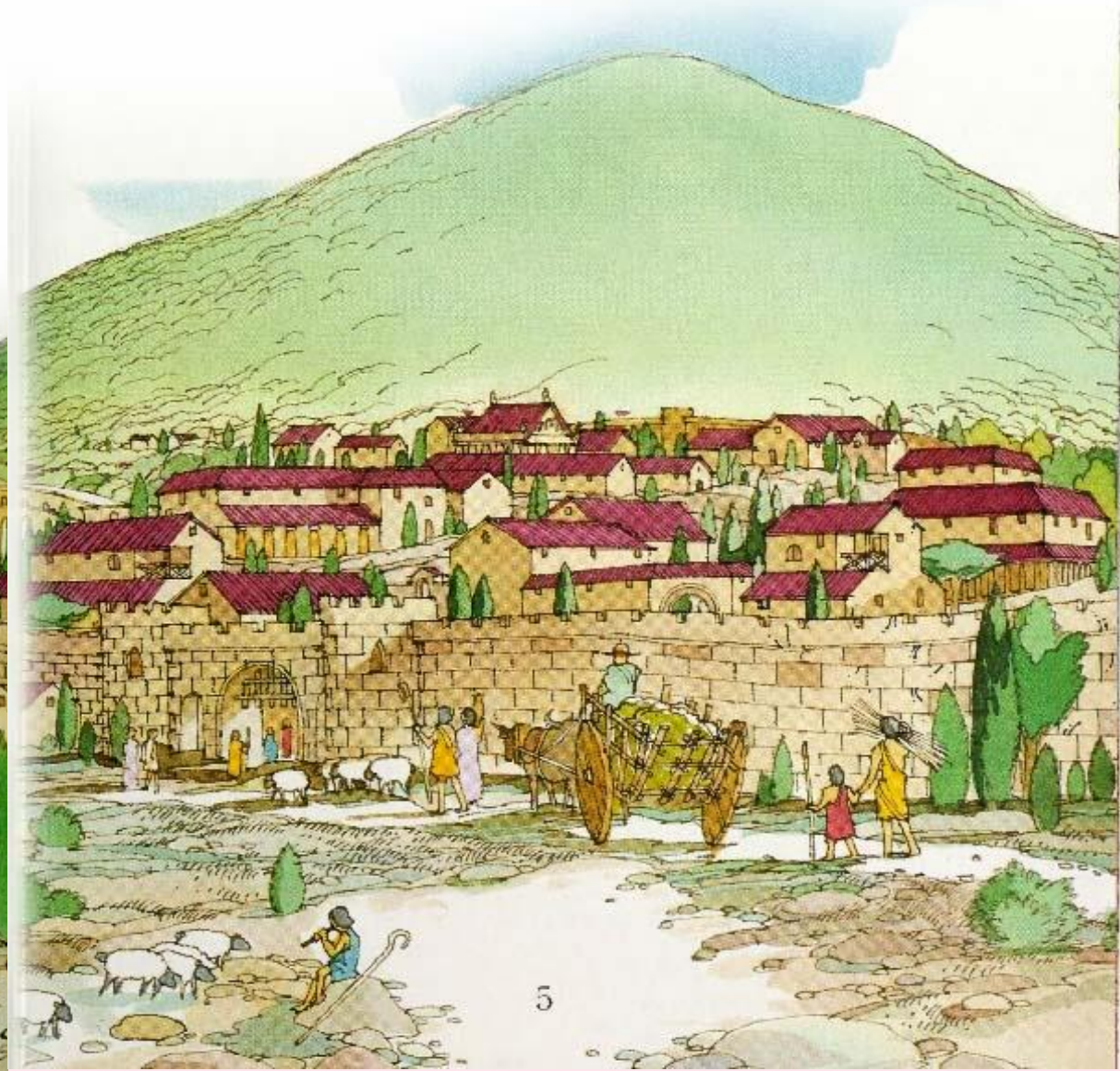
ज्वालामुखी एक विशेष प्रकार का पर्वत होता है. उसके शीर्ष पर एक छेद होता है.

एक दिन - लगभग दो हजार साल पहले - वेसुवियस के अंदर कुछ हो रहा था.

बहुत गहराई तक वो बहुत-बहुत गर्म था. उसमें इतनी गर्मी थी कि अंदर चट्टानें पिघल रही थीं. जैसे ही चट्टानें पिघलीं, एक गैस बनी. और वो गैस तुरंत बाहर निकलने की कोशिश करने लगी.

गैस और पिघली हुई चट्टानें एक साथ मिल गईं. मिश्रण गर्म और बुलबुलेदार था. गैस, विसुवियस के अंदर से पिघली हुई चट्टान को ऊपर धकेल रही थी.

पिघली हुई चट्टानें शीर्ष पर स्थित छेद से बाहर विस्फोट करने ही वाली थीं!
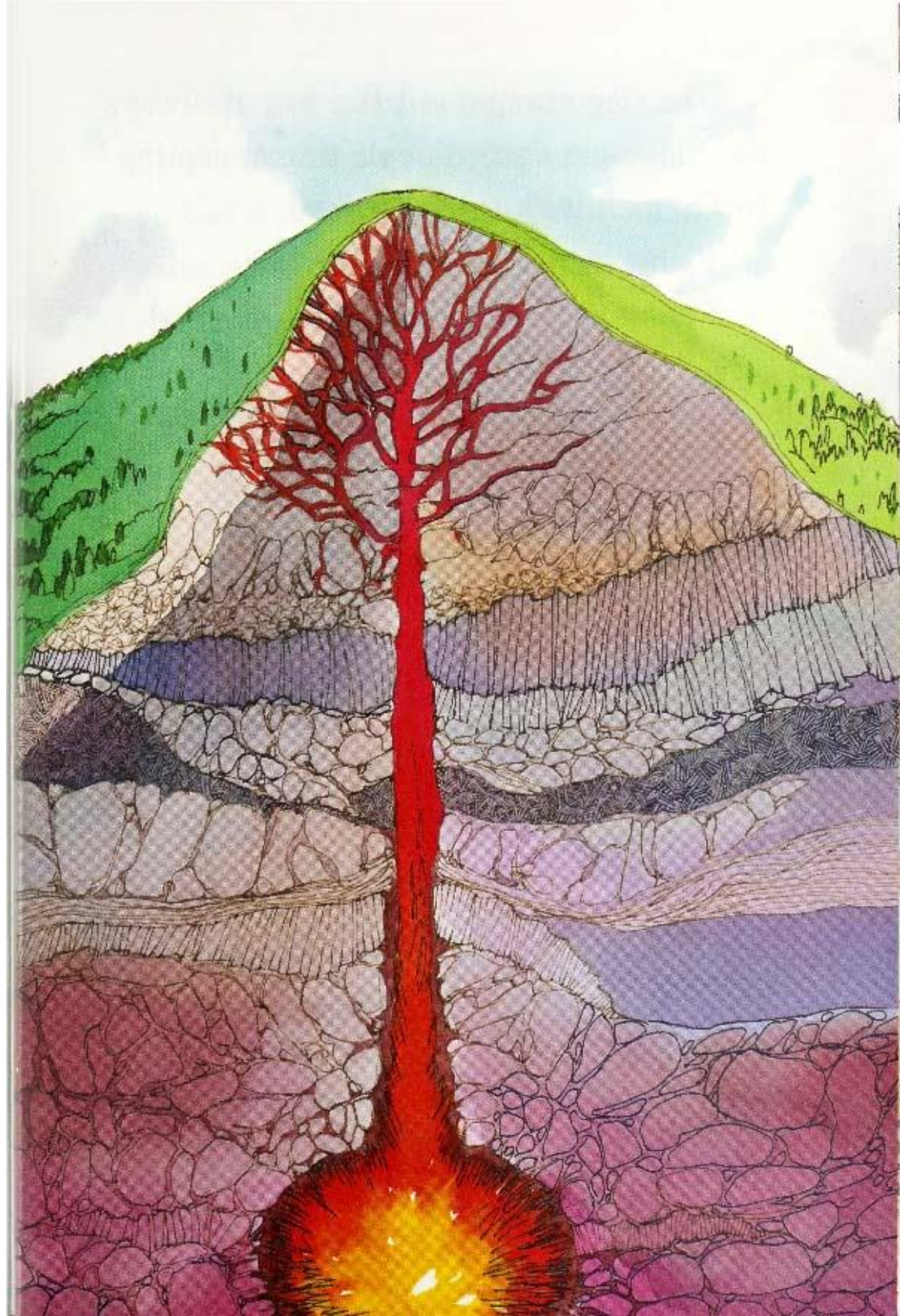
दिन की शुरुआत वैसे ही हुई जैसे हमेशा होती थी. सूरज गुलाबी रंग का था. लोग पोम्पेई शहर में बेचने के लिए चीज़ें लेकर आने लगे थे.

मछुआरे मछलियाँ ला रहे थे.

फेरीवाले खरबूजे और पुआल की बनी टोपियाँ ला रहे थे.

किसान सब्जियां लेकर आ रहे थे. चरवाहे भेड़ें ला रहे थे. गाड़ियाँ संकरे फाटकों से होकर शहर में घुस रही थीं.
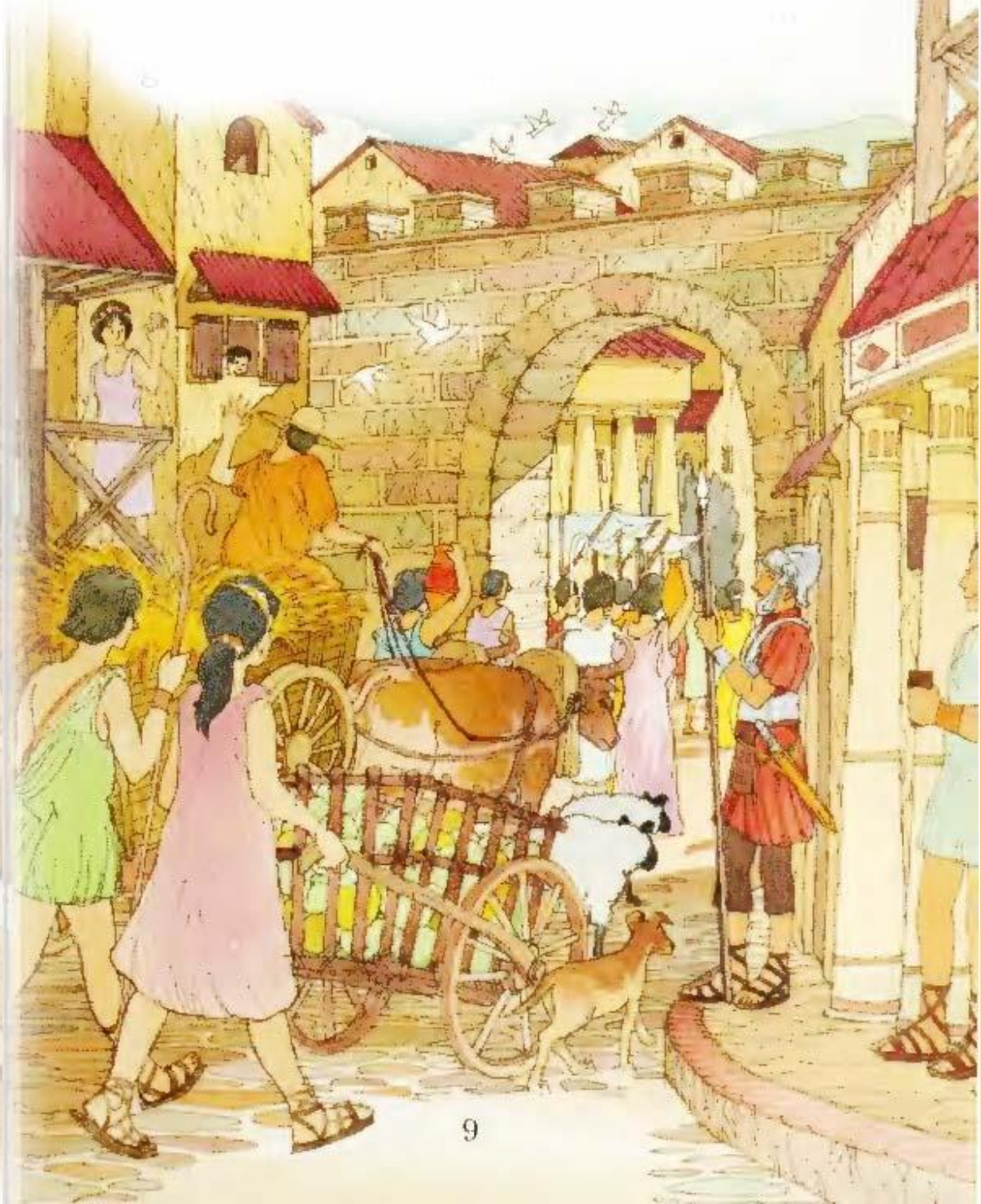
सड़कों पर गाड़ियों के शोर ने घरों में लोगों को जगा दिया. सबसे बड़े घरों में से एक में रहने वाला परिवार जल्द ही काफी व्यस्त हो गया.

मां आंगन में प्रार्थना करने चली गईं. उन्होंने भगवान की मूर्ति को कुछ फूल चढ़ाये.

पिता कपड़े पहनने लगे. इसमें गुलाम ने उनकी सहायता की.

बच्चे खेल रहे थे. वे खुश थे कि गर्मी का मौसम था.

रसोई में गुलाम नाश्ता बना रहे थे.

घर में किसी को इस बात का कोई अंदाज़ नहीं था कि कुछ भयानक होने वाला था.
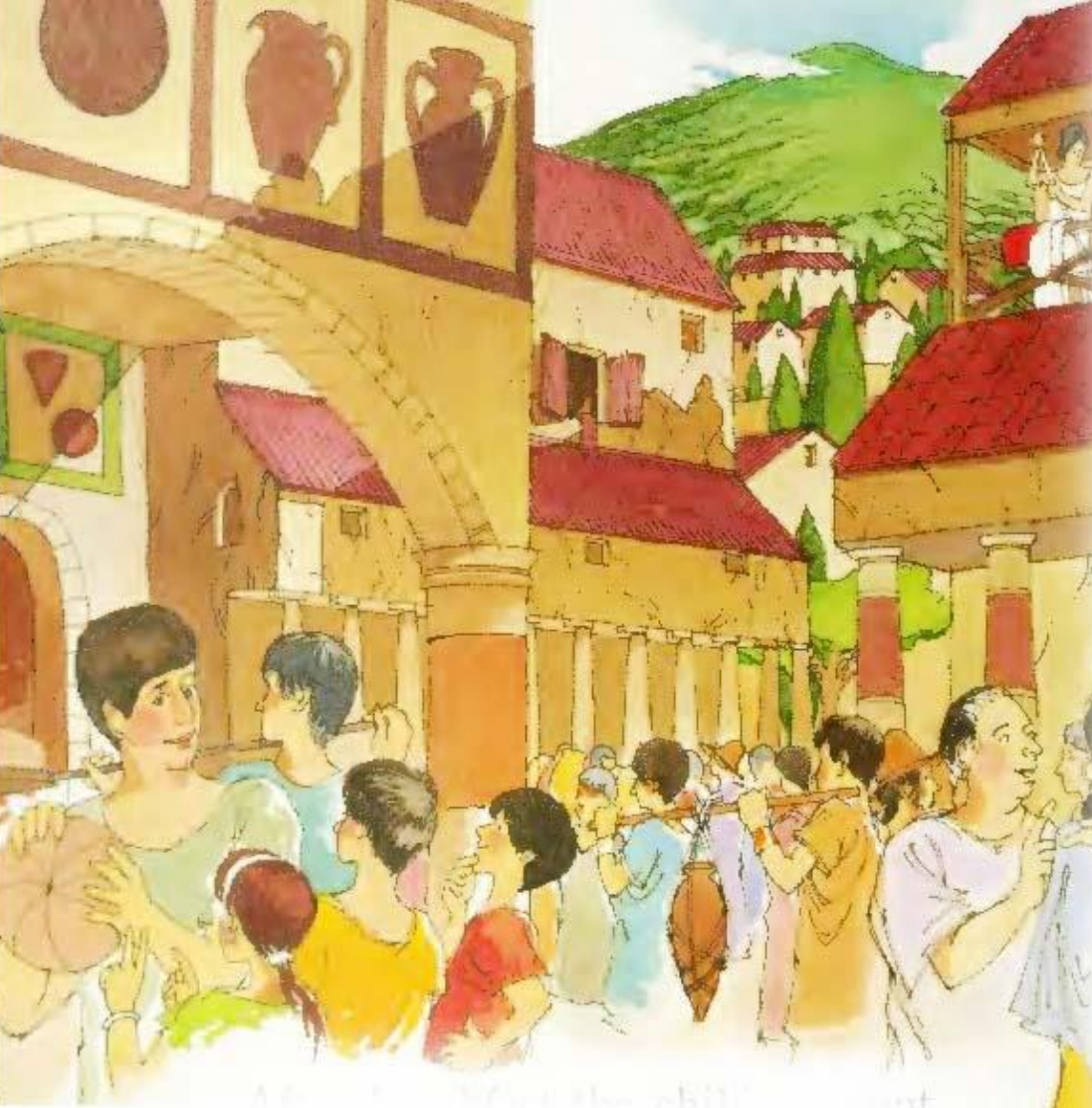
नाश्ता करने के बाद बच्चे बाहर चले गये. सड़कों पर भीड़ थी. दुकानों के अंदर लोग काम कर रहे थे.

बेकर रोटी पकाने में व्यस्त थे, बुनकर ऊनी कपड़े बुनने में व्यस्त थे, कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाने में व्यस्त थे.

गुलाम लोग एक फव्वारे से पानी भर रहे थे. एक संगीतकार अपनी बांसुरी पर संगीत बजा रहा था.

सड़क पर किसी को नहीं पता था कि कुछ भयानक होने वाला था.

देर सुबह तक कई पुरुष स्नानागार में थे. वे अच्छा समय बिता रहे थे. कुछ आदमी गेंद खेल रहे थे. कुछ आदमी भार ढो रहे थे. कुछ आदमी भाप वाले कमरे में बातें कर रहे थे. अन्य लोग गर्म तालाबों में नहा रहे थे.

स्नानागार में उस बड़े घर के पिता भी थे. गुलाम उनकी पीठ पर तेल मल रहा था.

स्नानागार में किसी को नहीं पता था कि कुछ भयानक होने वाला था.
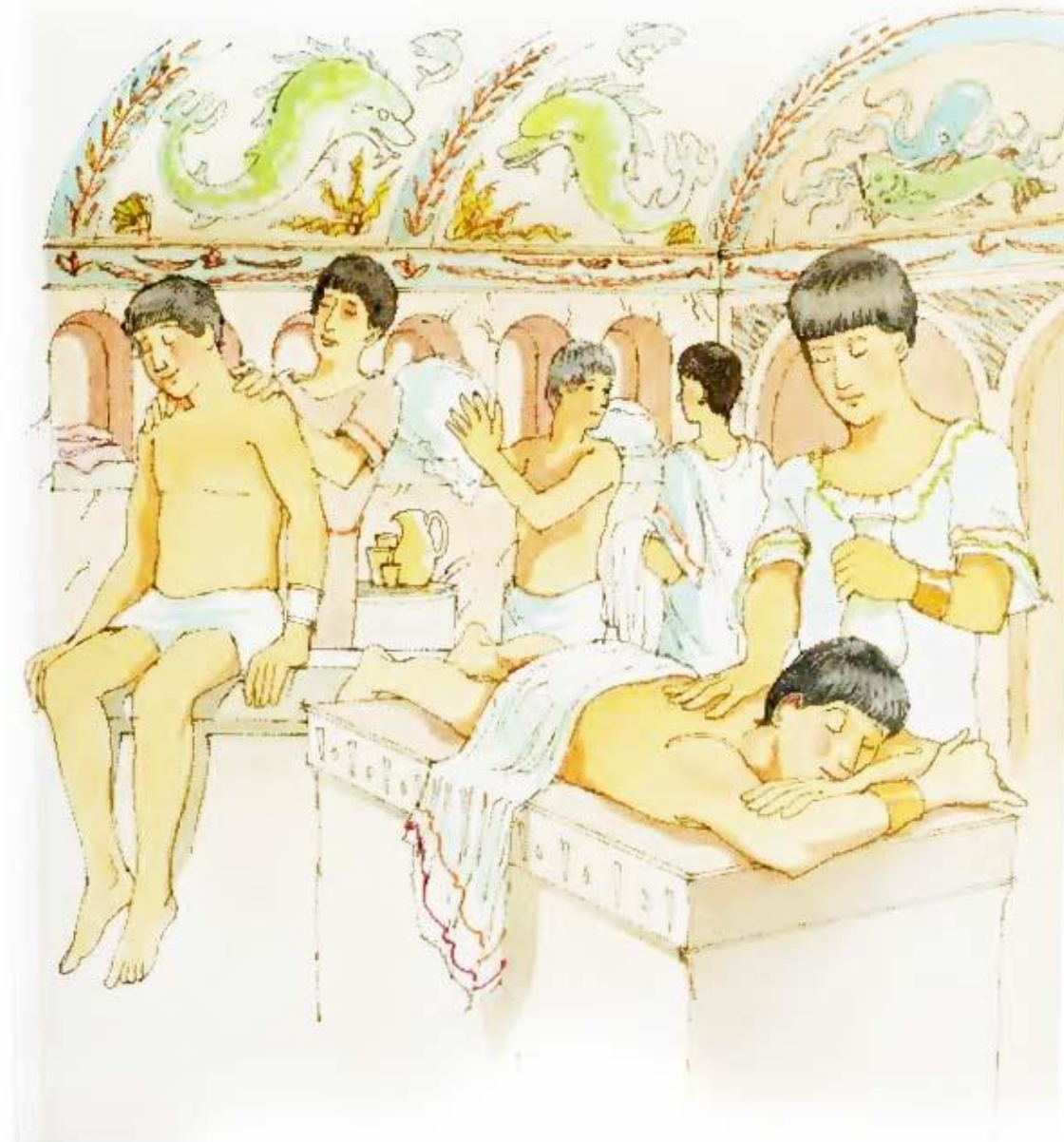
दोपहर तक नगर का सभा स्थल, लोगों से खचाखच भर गया था.

कुछ लोग खरीदने के लिए चीज़ें ढूंढ रहे थे. कुछ लोग अपने दोस्तों से बातें कर रहे थे. नए कानून बनाने के लिए कानून निर्माता चर्चा कर रहे थे. पर्यटक सुन्दर इमारतों को निहार रहे थे.
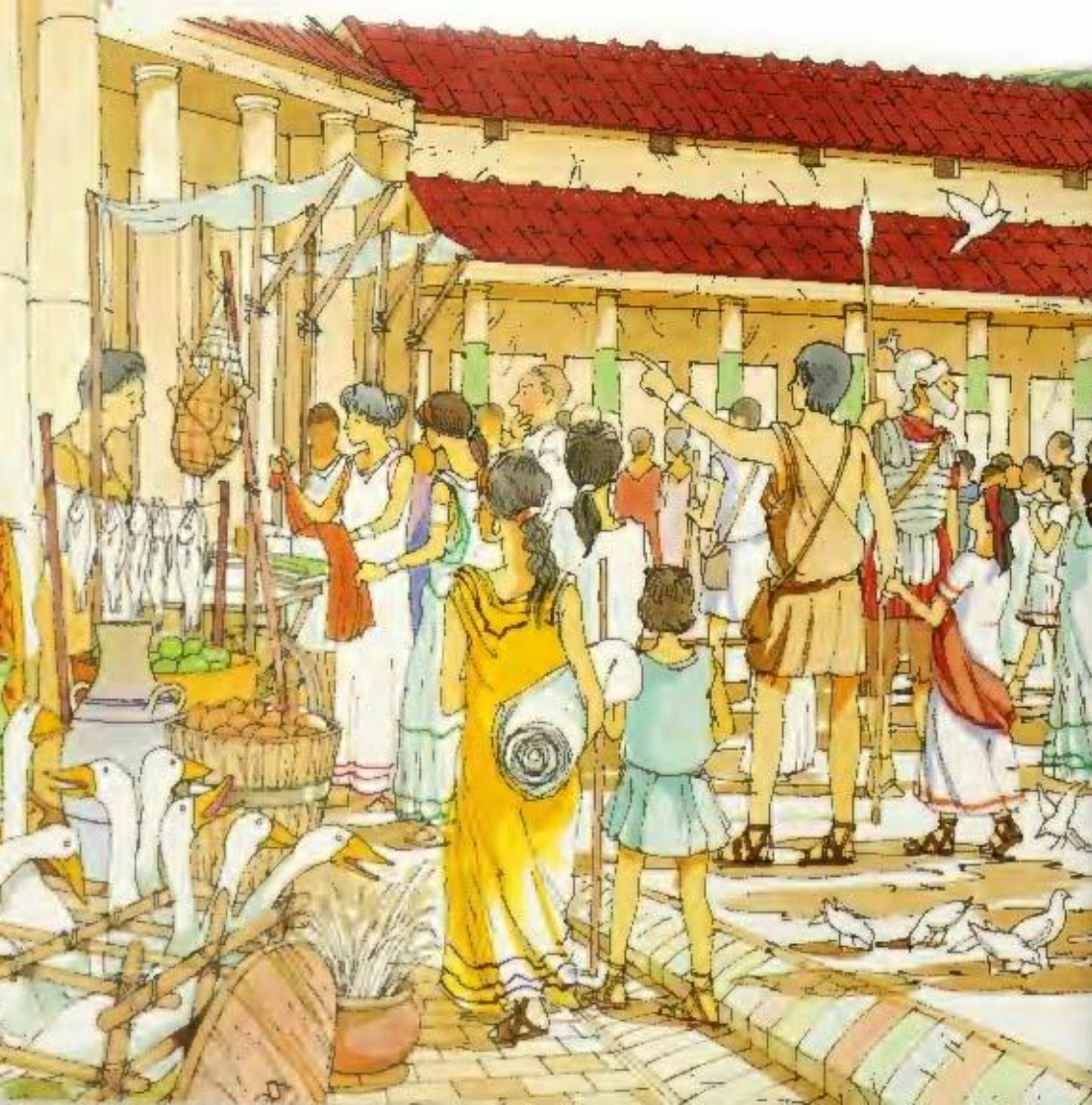
बड़े घर की मां मंदिर में प्रार्थना कर रही थीं.

नगर के सभा स्थल में किसी को नहीं पता था कि कुछ भयानक होने वाला था.

2.

दानव जाग उठा

अचानक ज़मीन कांपने लगी. पोम्पेई के सभी घर हिलने लगे. दानव जाग रहा था!

तभी एक जबरदस्त कर्कश ध्वनि हुई. वेसुवियस का शीर्ष उड़ गया! धूल और राख का एक विशाल बादल हवा में उमड़ आया!
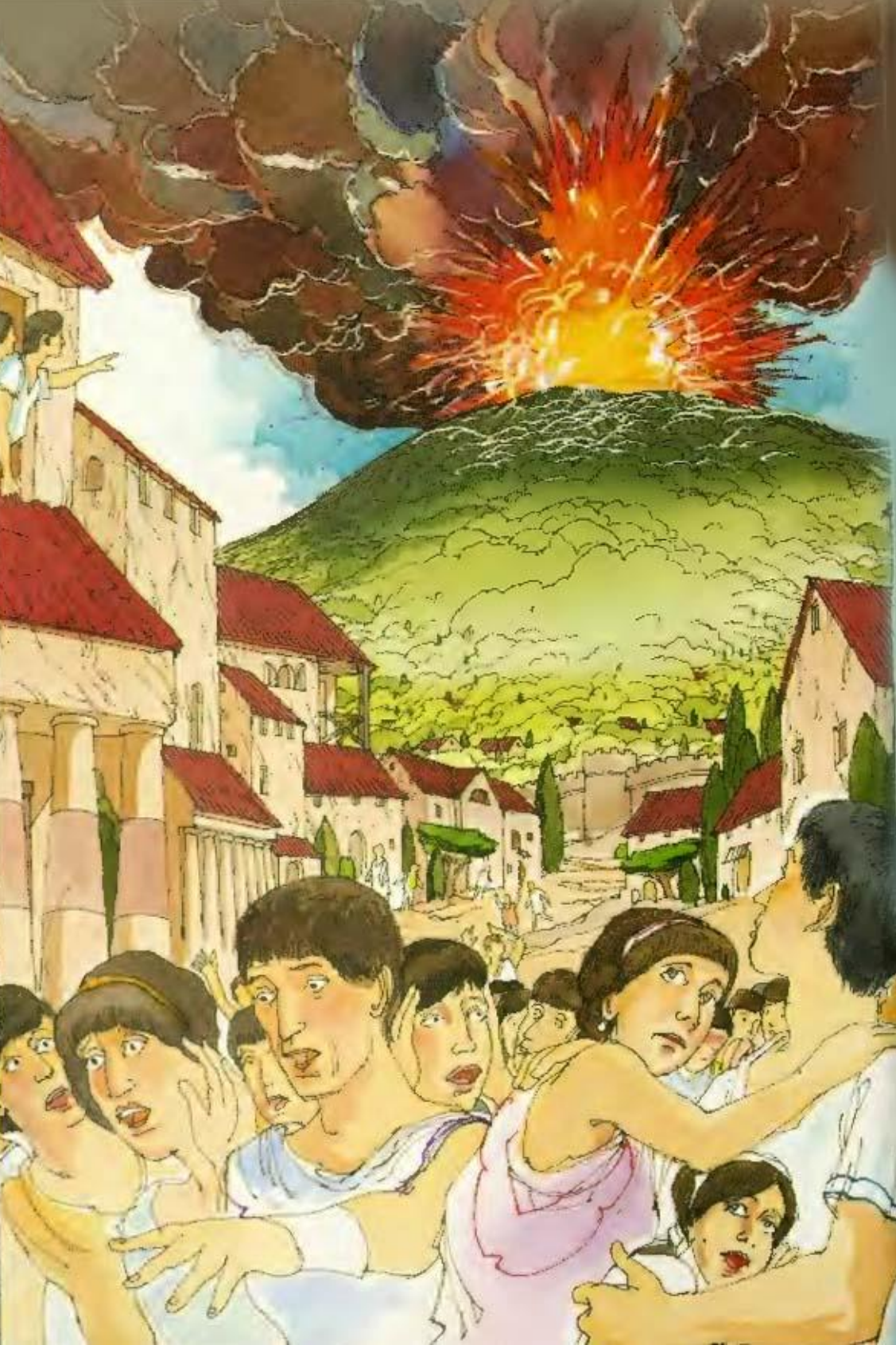
सभी चिल्लाने लगे.

विशाल बादल को देखने के लिए लोग अपने घरों से बाहर निकले. दुकानदार भी अपनी दुकानों से बाहर निकल आये.

बेकर्स अपनी रोटी के बारे में भूल गए. किसान अपने फलों और सब्जियों के बारे में भूल गए. और कानून निर्माता नए कानूनों के बारे में भूल गए.

लगातार बादल और भी बड़ा होता जा रहा था.

बादल ने सूरज को छुपा लिया. अंधेरा हो गया. पोम्पेई में लोगों पर छोटे-छोटे गर्म कंकड़ गिरने लगे.

कुछ लोगों ने सिर ढकने के लिए तकिए उठाए. अन्य लोग अपने घरों के अंदर छुप गये.

हर कोई भाग रहा था. लोग धक्का-मुक्की कर रहे थे और चिल्ला रहे थे. कुछ लोग पलायन करने के लिए नगर के फाटकों की ओर भागे. अन्य लोग अपने आभूषणों और सोने के सिक्कों की सुरक्षा के लिए अपने घर में घुस गए.

कुछ लोग प्रार्थना करने के लिए मंदिर गए. क्या देवता उन्हें बचा सकते थे?
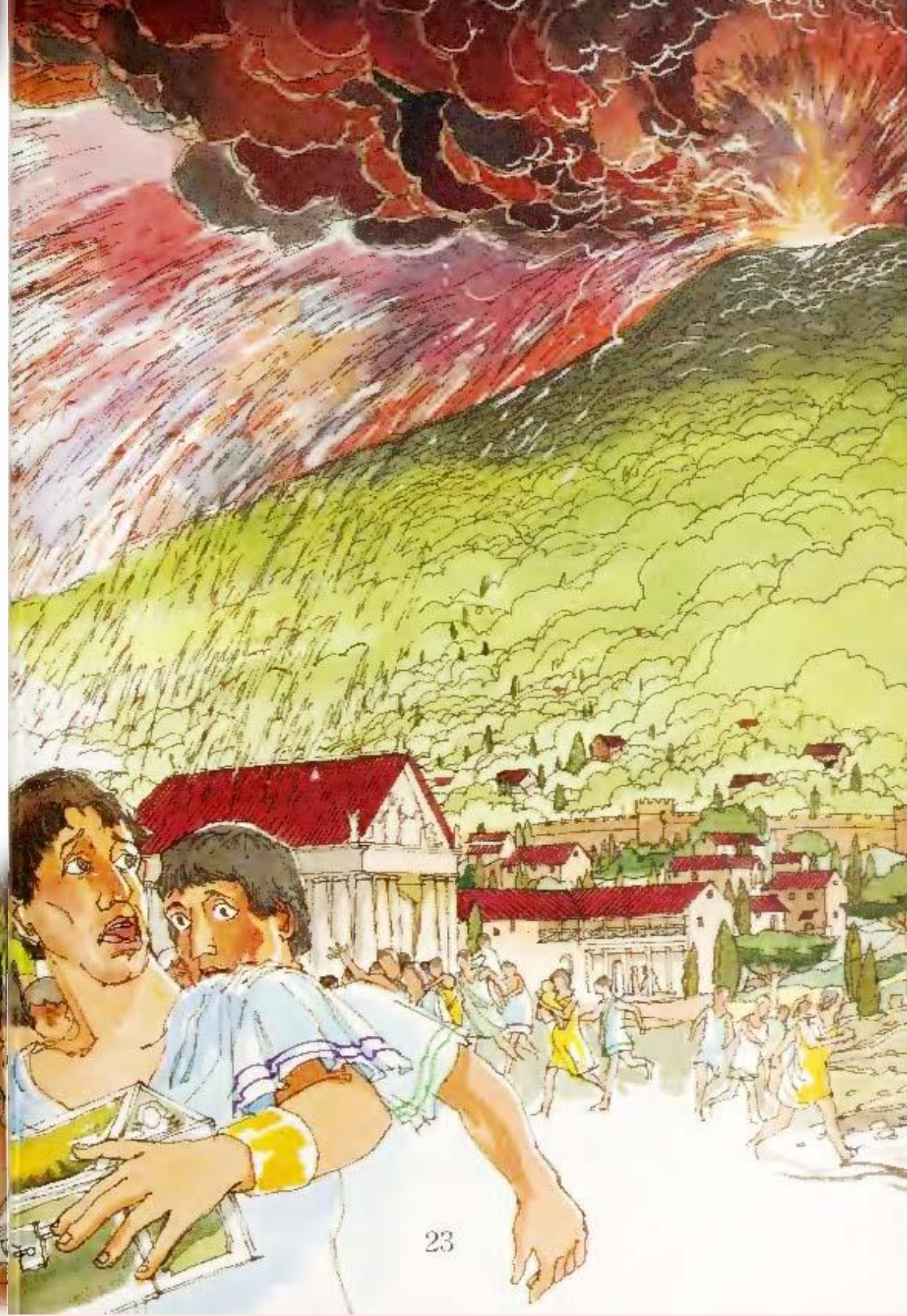
दिन, रात के समान अंधकारमय हो गया. हवा में भयानक गंध भर गई. वो बदबू सड़े अंडे की तरह थी.

लोग समुद्र की ओर दौड़ पड़े. कुछ लोगों ने रास्ता रोशन करने के लिए हाथ में मशालें पकड़ रखी थीं.

समुद्र भी उफान पर था. समुद्र तट पर बड़ी-बड़ी लहरें टकरा रही थीं. मछलियाँ रेत में छटपटाती रही थीं.

बड़े घर का परिवार नाव में चढ़ने में सक्षम हुआ. वे भागने में सफल रहे.
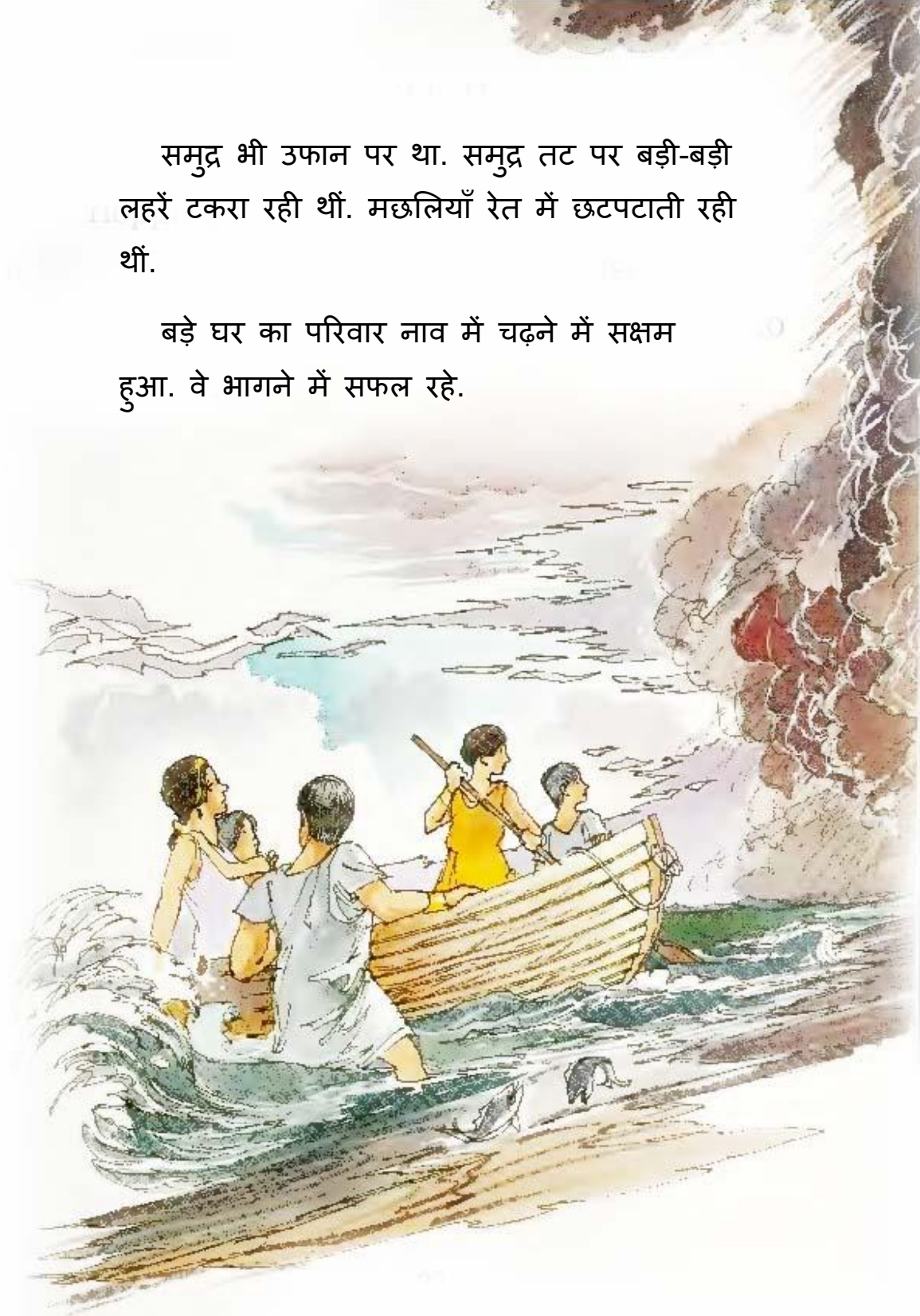
जब पोम्पेई पर कंकड़ गिरे तो कई लोग उनसे बच नहीं पाए. वे कंकड़-पत्थरों के नीचे फंसे गए.

तभी ज्वालामुखी से गर्म राख निकलने लगी. राख लोगों पर गिरी. राख इतनी गर्म थी कि लोगों के बाल झुलसने लगे!

सड़कों पर मौजूद लोगों ने खुद को बचाने की कोशिश की. वे कोनों में और दीवारों के पीछे छिपे. उन्होंने अपने हाथों और कपड़ों से अपने चेहरे ढक लिए.

लेकिन राख का ढेर ऊँचा और ऊँचा होता गया. लोग चल नहीं सके. लोग सांस नहीं ले पा रहे थे. लोग राख के नीचे फंस गए.

राख गिरती रही!

सड़कों पर राख के ऊंचे ढेर भर गए. राख घरों में फैल गई. राख पहली मंजिल की खिड़कियों तक इकट्ठी हो गई. राख, दूसरी मंजिल की खिड़कियों तक जमा हो गई.

अब घरों के अंदर भी लोग फंस गए.

गर्म राख और गैसों की एक बड़ी नदी पहाड़ के किनारे से नीचे बहने लगी. नदी, शहर की दीवारों के ठीक ऊपर से बहने लगी.
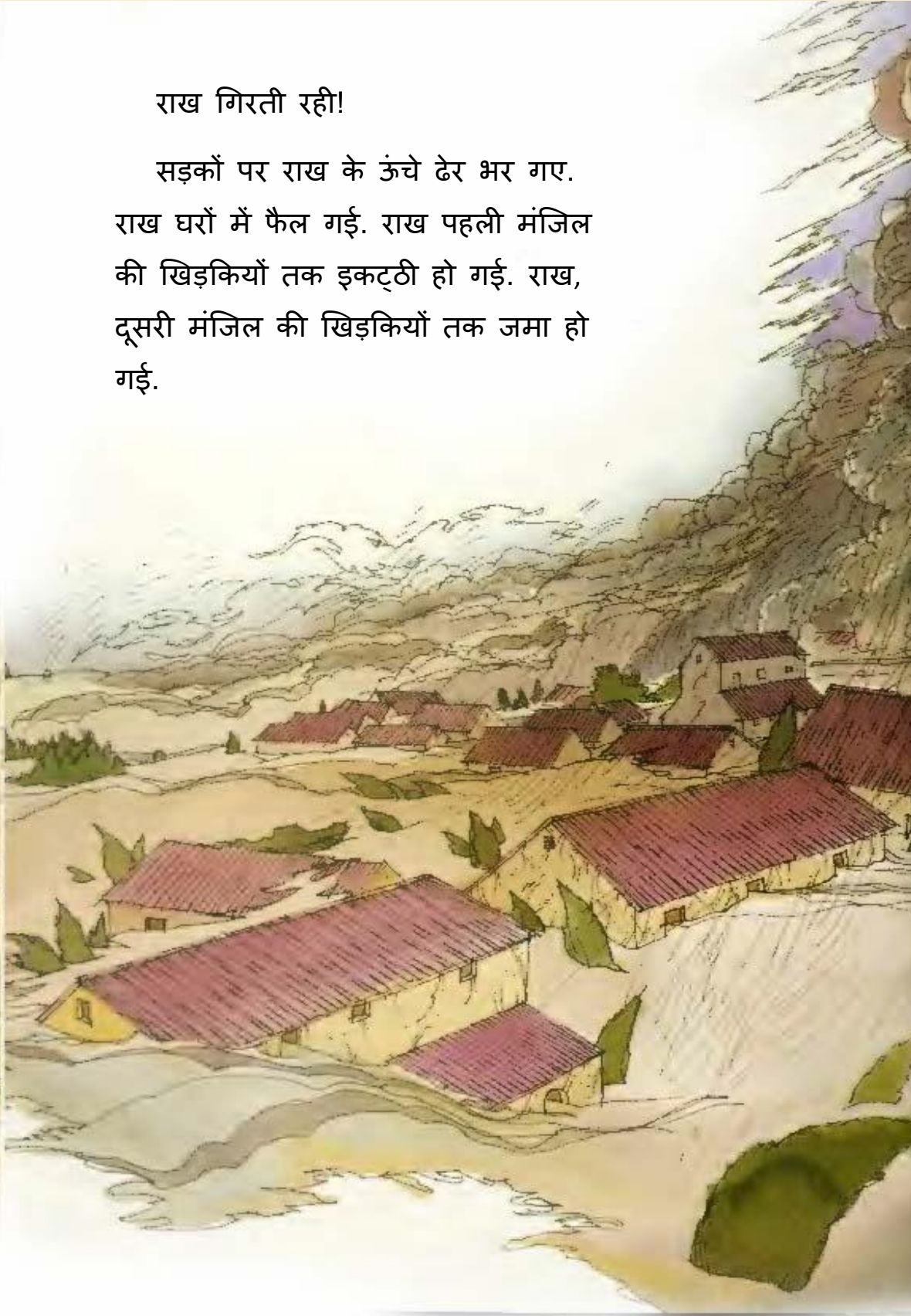
पोम्पेई शहर में अब कोई भी नहीं बचा.
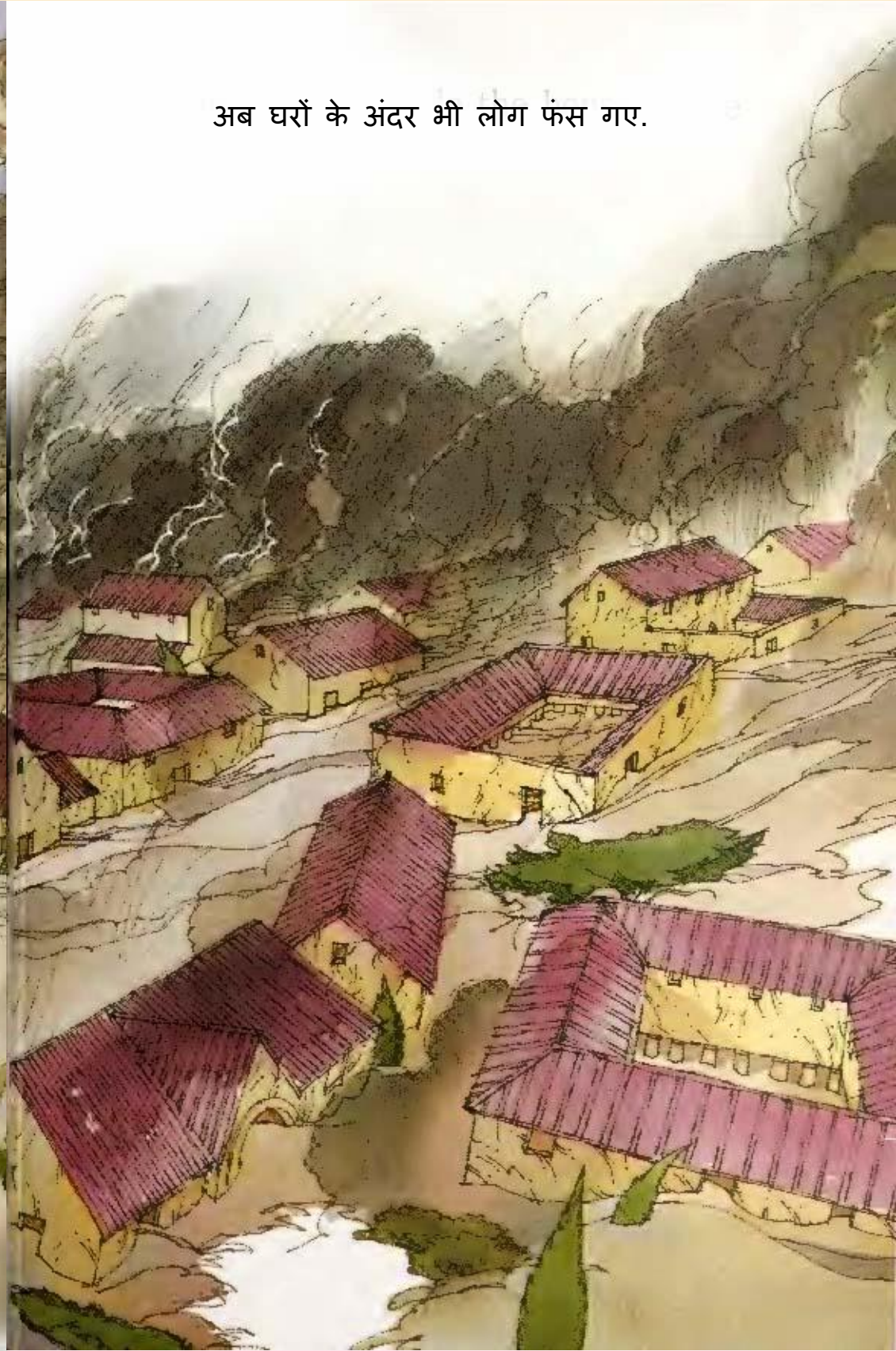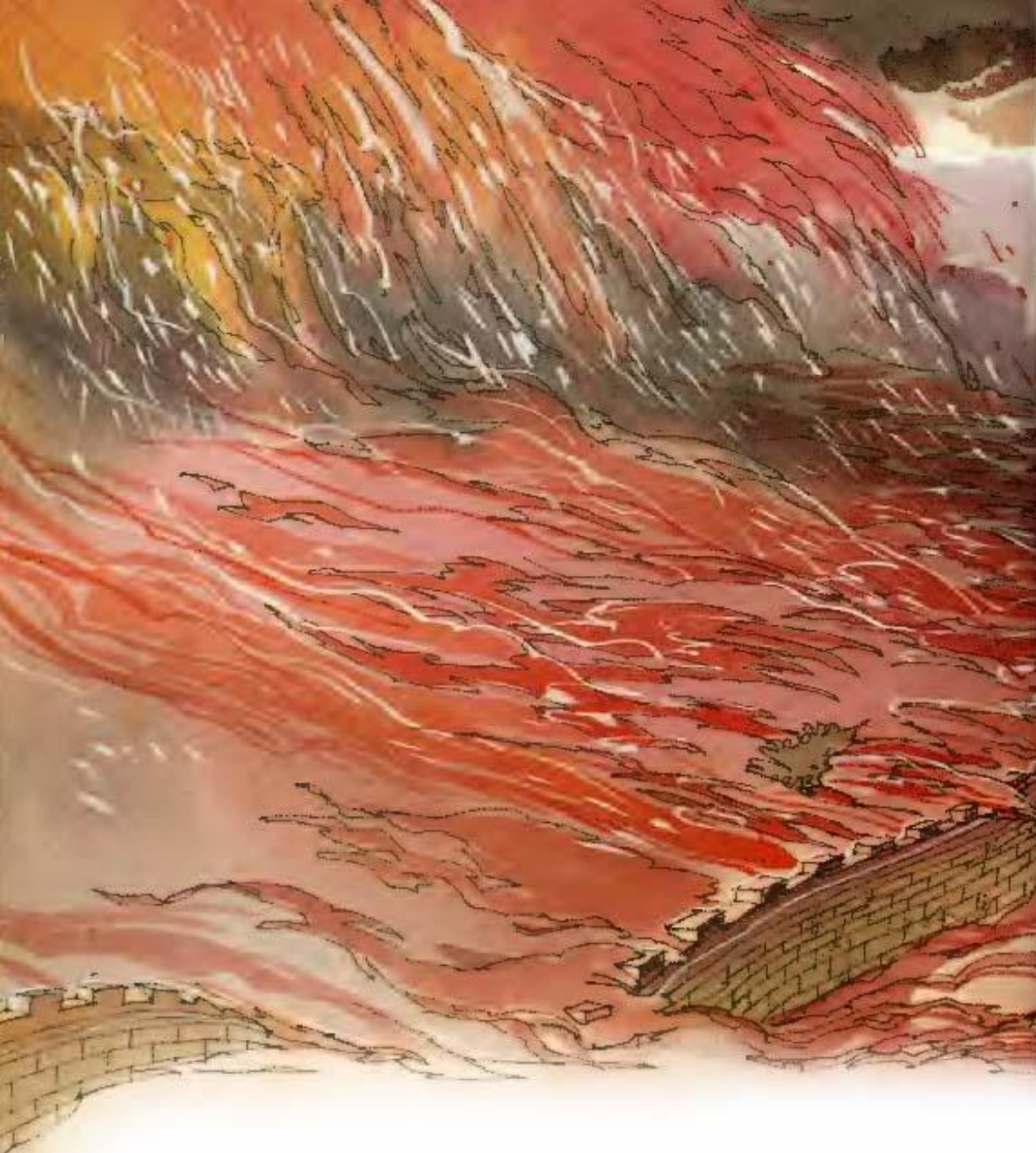
लेकिन वेसुवियस का काम अभी पूरा नहीं हुआ था! फिर पहाड़ से जहरीली गैस का एक बड़ा बादल निकला. बादल ने पोम्पेई को ढक दिया.
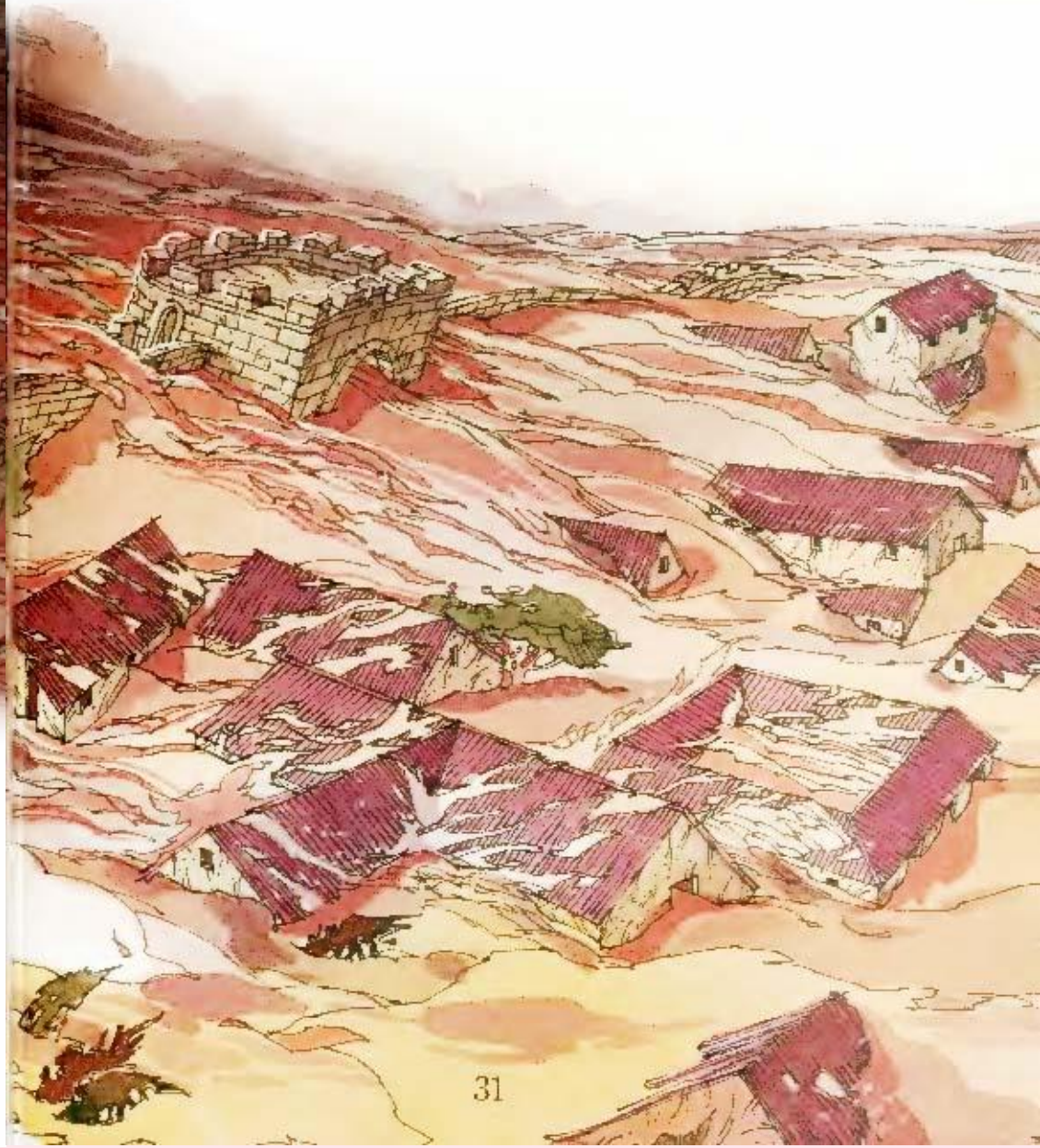
खाड़ी के उस पार एक लड़का खड़ा होकर देख रहा था. उसका नाम प्लिनी था.

प्लिनी ने वेसुवियस से निकलते अजीब बादल को देखा. उसने पोम्पेई पर अंधेरा होते देखा. बाद में उसने गर्म राख, कंकड़ और जंगली समुद्र के बारे में सुना.

क्या प्लिनी उस दिन को कभी भूला? नहीं कभी नहीं!
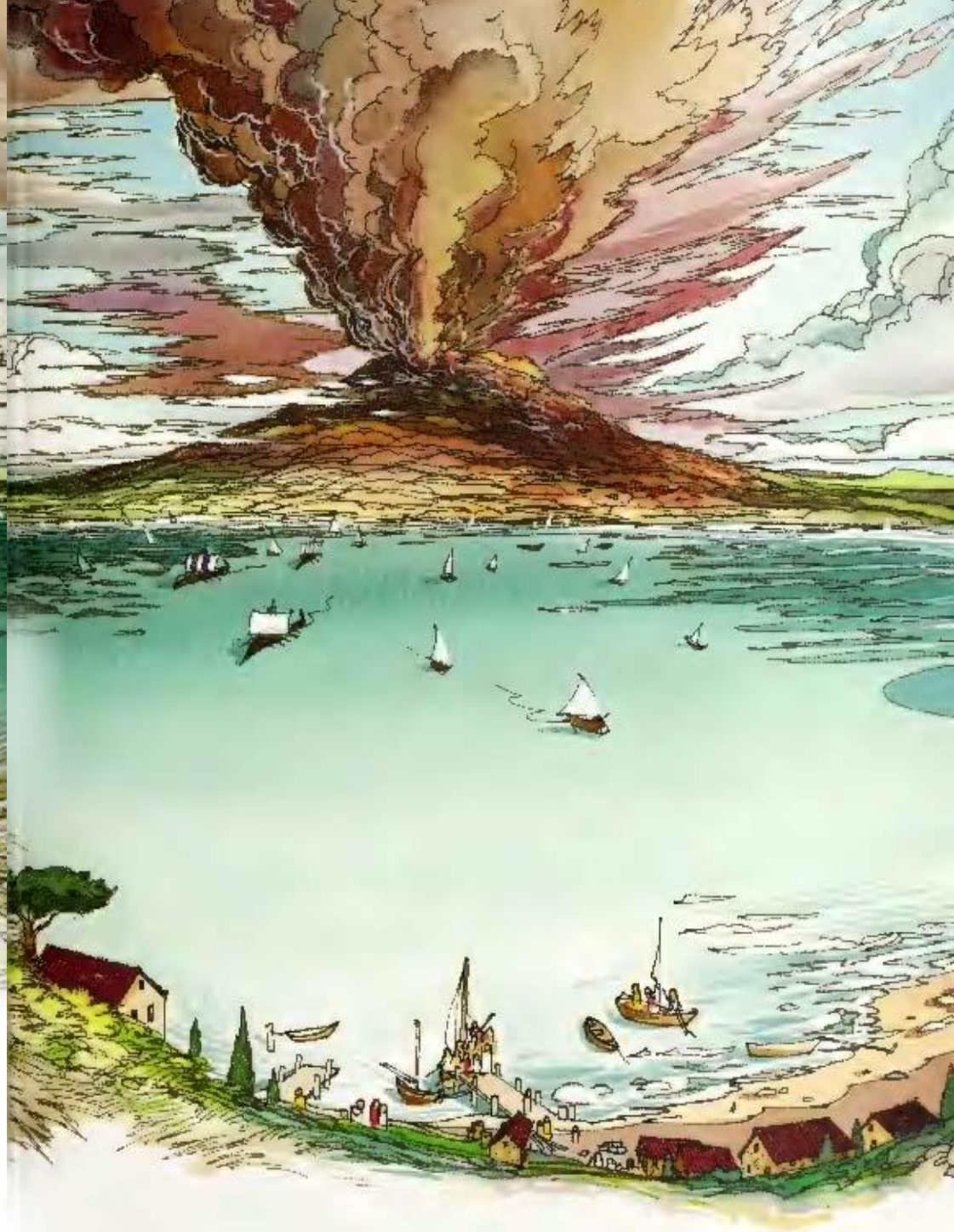
3.

जिंदा दफन!

पोम्पेई पर दो दिनों तक राख गिरती रही. फिर राख गिरना ख़त्म हो गई. अब विशाल बादल चला गया था. पहाड़ शांत हो गया.

राख ठंडी हो गई और कठोर हो गई. अब राख के ऊपर केवल इमारतों के शीर्ष दिखाई दे रहे थे. पूरा शहर जिंदा दफन हो गया था!

जो लोग नावों में सवार होकर चले गए थे उनमें से कुछ वापस आए. वे अपने घरों की तलाश में आये थे. वे अपना सामान ढूंढने आए थे. वे अपने दोस्तों की तलाश में आए थे.

लेकिन सब कुछ राख के नीचे सीलबंद हो गया था.
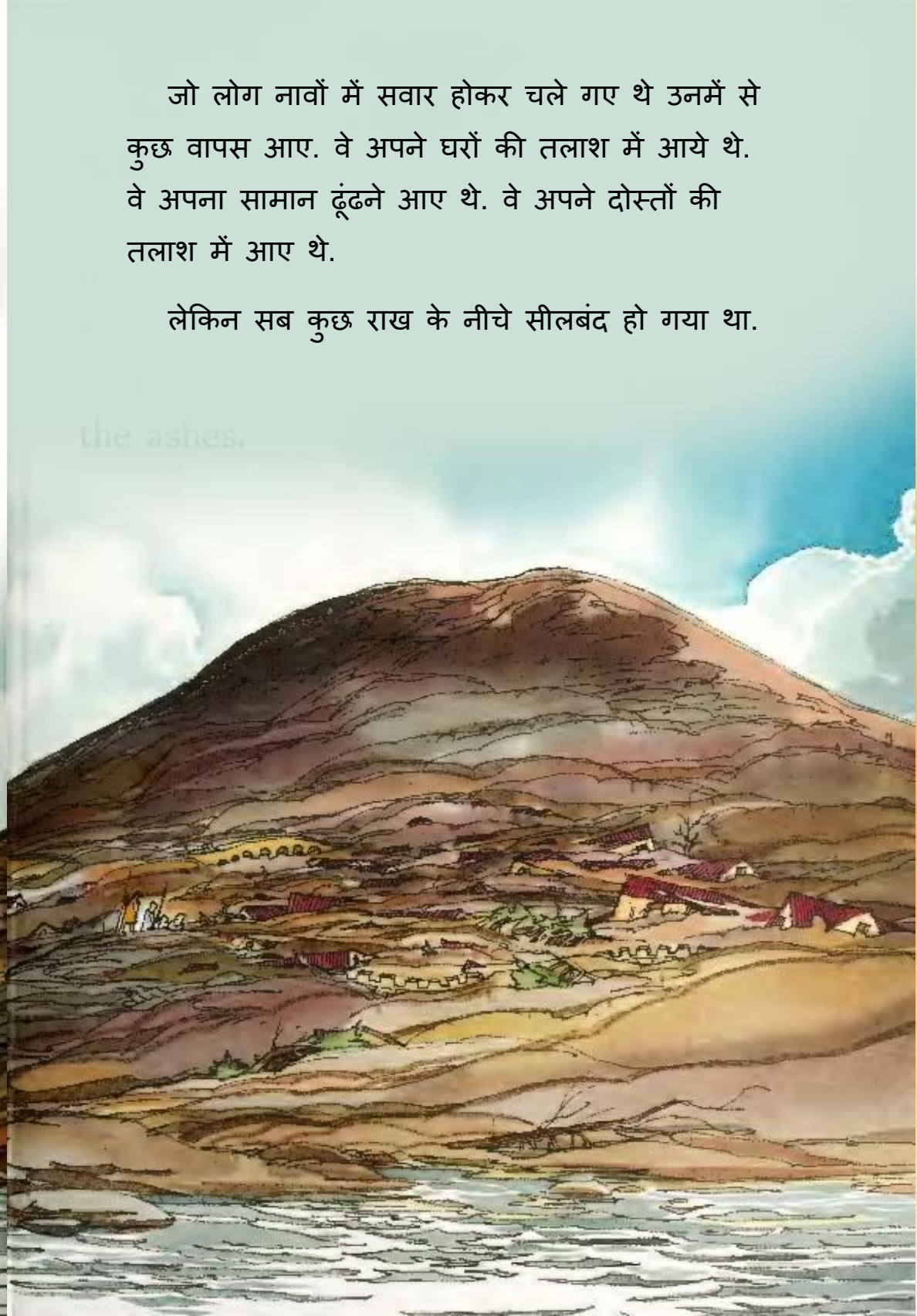
प्लिनी बड़ा हुआ. वो बड़े होकर एक लेखक बना. उसने वेसुवियस से निकले विशाल बादल के बारे में लिखा. उसने उस ज्वालामुखी के बारे में भी लिखा जिसने पोम्पेई को दफना दिया था.

कई साल बीत गए. वेसुवियस बार-बार फूटा. शहर पर और अधिक राख गिरी. अंत में इस बात का कोई संकेत नहीं रहा कि वहाँ कभी लोग रहते थे.

धीरे-धीरे लोग, पोम्पेई नामक शहर के बारे में पूरी तरह भूल गए.

सैकड़ों साल बाद ऊपर की राख मिट्टी में बदल गई. घास उगने लगी. लोगों ने दबे हुए शहर के ठीक ऊपर अपने घर बना लिए.

उन्होंने पुराने पोम्पेई के ऊपर एक नया शहर बनाया. उन्हें यह भी नहीं पता था कि पुराना शहर उनके ठीक नीचे था!

फिर कुछ लोगों ने प्लिनी के लेख पढ़े. उन्होंने पोम्पेई नाम के एक दबे हुए शहर के बारे में पढ़ा.

पोम्पेई कहाँ था? कोई नहीं जानता था.

एक दिन कुछ मजदूर पानी के लिए सुरंग खोद रहे थे. तब उन्हें ज़मीन के नीचे एक पुरानी दीवार के टुकड़े मिले. परन्तु उन्हें यह नहीं पता था कि वो दीवार एक नगर का भाग थी.

कई वर्षों बाद उसी स्थान पर कुछ और लोग खुदाई करने आये. उन्हें और भी इमारतें मिलीं. क्या ज़मीन के नीचे कोई शहर था? क्या वो वही शहर था जिसके बारे में प्लिनी ने लिखा था?
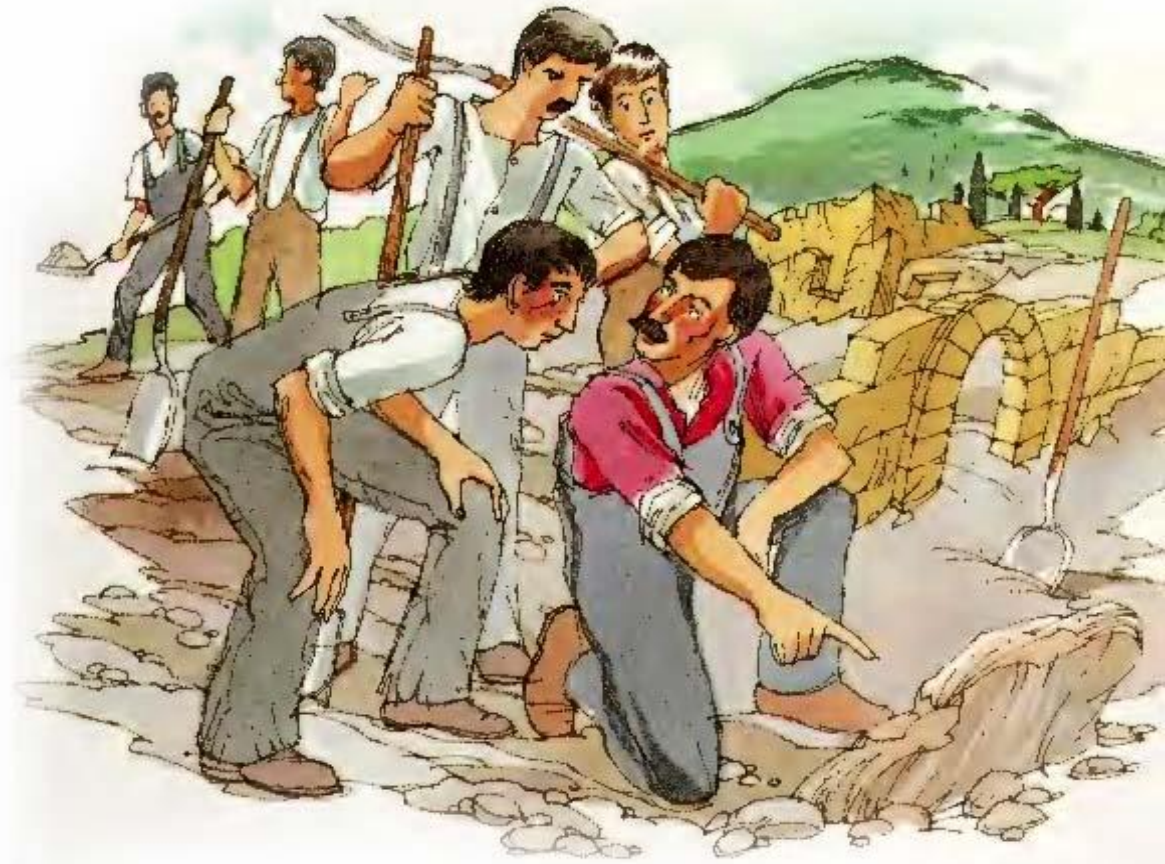
तभी खुदाई करने वालों में से एक को एक पत्थर मिला. उस पर एक नाम खुदा हुआ था. नाम था पोम्पेई.

लोग बहुत उत्साहित हुए. पोम्पेई का खोया हुआ शहर वहीं था - ठीक उनके पैरों के नीचे!

यदि वे उस शहर को उजागर कर सकते, तो वे देख सकते थे कि बहुत पहले लोग कैसे रहते थे.

वैज्ञानिकों ने खुदाई शुरू की. उन्होंने धीरे-धीरे और बड़ी सावधानी से काम किया. उन्होंने अनेक उपकरणों का प्रयोग किया. उन्होंने राख झाड़ कर अलग करी. वे कुछ भी नष्ट नहीं करना चाहते थे.

वैज्ञानिकों को खूबसूरत सोने के कंगन मिले.

उन्हें टूटे हुए अंडे मिले.

उन्हें रंगीन पत्थरों से बने चित्र मिले. इन चित्रों को मोज़ाइक कहा जाता है.

और उन्हें वे लोग मिले जो मर गये थे.

पहले तो वैज्ञानिकों को केवल कुछ ही कंकाल मिले.

तभी उन्हें कठोर राख में कुछ अजीब छेद दिखाई दिए. उन्होंने छिद्रों में प्लास्टर डाला. जब प्लास्टर सूख गया, तो प्लास्टर का आकार बिल्कुल इंसान जैसा हो गया!

प्लास्टर के सांचे (कास्ट) से पता चलता है कि मरने के बाद लोग कैसे दिखते थे. यहां तक कि वहां एक चेन बंधे कुत्ते का प्लास्टर भी मिला.

आज पोम्पेई का पुराना शहर बिना छत वाले एक विशाल संग्रहालय जैसा है.

पोम्पेई इटली में है. कई देशों के लोग वहां घूमने आते हैं. वे हज़ारों साल पुरानी दुकानें और मकान देखना चाहते हैं.

और वे वेसुवियस पर्वत को भी देखना चाहते हैं. वेसुवियस, विश्व का सबसे प्रसिद्ध ज्वालामुखी है.

वैज्ञानिक ज्वालामुखी को बहुत ध्यान से देखते हैं. जमीन से कितनी गैस निकल रही है? ज्वालामुखी के पास की चट्टानें कितनी गर्म हैं? धरती कितनी हिलती है?

देखो! एक किसान अपनी अंगूर की बेलों की देखभाल कर रहा है. अंगूर वेसुवियस नामक पर्वत के किनारे उगते हैं. पास में ही एक छिपकली गर्म चट्टान पर आराम कर रही है.

पोम्पेई में यह एक शांतिपूर्ण दिन है.

दानव सो रहा है.

दानव फिर कब जागेगा?

किसी को नहीं पता.

अंत